

are second to none so far as patriotism is concerned.

So far as diversification is concerned, not only on this occasion, even when I was in charge of this Ministry on the previous occasion, it has been the endeavour of the Defence Ministry to diversify its requirements and to obtain them from various countries. The performance of MIG has been quite effective. It was demonstrated during the last war with Pakistan. But the special references that have been made to particular officers, I shall go through that and if I feel it necessary, I will make a comprehensive statement in the House. I would like to assure the House once again that nobody in the Defence Ministry will take the risk knowingly of using any defective parts in engine...

(ii) PROHIBITION IN THE COUNTRY

श्री मनी राम बागड़ी (मथुरा) : मैं इस सदन के माध्यम से समस्त देश के सामने यह बात कहना चाहता हूँ कि भारत में इस वक्त सब से ज्यादा जो खतरा है वह शराब का है। शराब इस देश को जहर बन कर खत्म कर रही है और घुन लगकर इस देश को खा रही है। डा० लोहिया के शब्दों में 20 करोड़ आदमियों की आरामदानी सिर्फ साढ़े तीन आना रोज है और यहां शराब के दिन प्रतिदिन ठेके बढ़ रहे हैं। 1968 से ले कर अब तक 20 गुने बढ़ चुके हैं। मैं बघाई देता हूँ, प्रधान मंत्री जी को और गृह मंत्री जी को कि वह शराब बन्दी के हक में हैं, और मैं उम्मीद रखता हूँ कि समस्त देश में जो यह जहर सारे देश को खा रहा है इसको खत्म करेंगे। आज शराब की यह हालत है कि विधायक पीते हैं, कहीं अखबारों में छपता है कि मंत्री पीते हैं, सरकारी अफसर, स्कूलों में मास्टर और विद्यार्थी सब शराब पीते हैं। ऐसा लगता है कि शराब कण कण के अन्दर घेर कर गई है। कुछ साथी सवाल करेंगे कि कानून से जुर्म नहीं मिटता, चोरी नहीं

मिट गई चोरों के खिलाफ कानून है। तो क्या हमने यह कानून बना दिया है कि चोरी करना जुर्म नहीं है। कानून भी जरूरी है इस काम के लिये। यह ठीक है कि समाज में इस के खिलाफ जागृति बहुत जरूरी है। लेकिन बगैर कानून के इसको आप नहीं मिटा सकते हैं।

मैं सदन के जरिये फिर कहूंगा प्रधान मंत्री जी से कि जैसे उन्होंने कांग्रेस के वित्त मंत्री हो कर सोने के नियंत्रण पर दृढ़ता दिखाई थी, ठीक उसी तरह से शराब बन्दी के सवाल को ले कर के, चाहे जितने ही सवाल उठें, मुकम्मल शराब बन्दी कर के वह इस देश को शराब से निजात दिलायें। गांधी जी और डा० लोहिया के स्वप्नों को साकार करें। मैं समझता हूँ सदन इस बात से सहमत है, पहले भी इस बात के लिये प्रस्ताव पास हो चुका है।

(iii) SPREADING OF KALAAZAR IN VAISHALI DISTRICT OF BIHAR

श्री रामबिलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का और सरकार का ध्यान पूरे देश में और खासकर बिहार में फैल रहे काला ज्वर और मलेरिया के सम्बन्ध में खींचना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, कई बार यहां चर्चा हो चुकी है। काला ज्वर इस प्रकार की बीमारी है बिहार में जिसका कि इलाज हो ही नहीं रहा है। जैसे कुछ समय के लिये कैसर का इलाज नहीं था उसी तरह से काला ज्वर का इलाज नहीं हो रहा है और मेने मंत्री महोदय को लिख कर दिया था कि अकैले वैशाली जिले में करीब 2000 लोग मरे हैं। अगर कोई पार्लियामेंटरी टीम या केन्द्रीय सरकार की टीम वहां जाय तो ऐसा कोई भी गांव नहीं है जिसमें 10, 20 लोग न मरे हों और प्रखंड में 100 से कम आदमी न मरे हों। हमें आश्चर्य होता है जब हम

[श्री राम विलास पासवान]

लोग यहां पूछते हैं, जैसे माननीय भदौरिया जी का प्रश्न हुआ, हम प्रश्न करते हैं तो जवाब आता है कि 8 आदमी मरे। मैं कह रहा हूँ कि 2000 आदमी मरे हैं, लेकिन मंत्रालय से जवाब आता है कि 8 आदमी मरे हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि यदि यह जवाब सही होगा तो मैं एम० पी० के पद से इस्तीफा दे दूंगा। इतनी गलत बयानी नहीं होनी चाहिये कि जहां दो हजार आदमी मरे हों वहां कहा जाता है कि 8 आदमी मरे हैं। जब मैं अपने धैर्य में गया था तो वहां जो डाक्टर थे, सिविल सर्जन था, उनसे बात की और उन्होंने बताया कि हमारे पास इसका कोई इलाज नहीं है। जो लोग वहां हैं उनके दिमाग में ही नहीं आ रहा है कि इस बीमारी को कैसे रोका जाय। उसके बाद मैं विहार के मुख्य मंत्री श्री कर्पूरी ठाकुर से कहा, उनसे भी बात की, स्वास्थ्य मंत्री जी से भी बात की, लेकिन उस के बाद भी अभी तक समस्या का निदान नहीं हो रहा है। हमारे पास वहां से लोग आ रहे हैं, तार आ रहे हैं, विट्रियंस आ रही हैं कि हमारे पास कोई साधन है भी नहीं जिसके माध्यम से उसका उपचार कर सकें।

इसलिये मैं सरकार से कहना चाहूंगा। कि यह बीमारी जो एक भयंकर प्रकोप के रूप में बिहार में बढ़ रही है सरकार उसके लिये वहां से केंद्रीय टीम भेजे और उसके साथ यदि सरकार के पास सामर्थ्य नहीं है तो यू० एन० ओ० से सहायता की मांग करे। मैं फिर कहना चाहूंगा कि दो महीने के अन्दर इसका प्रकोप बढ़ रहा है और मैं आपकी जानकारी के लिये प्रखंडों का नाम दे रहा हूँ जहां यह बीमारी फैली हुई है। हाजीपुर, विष्णुपुर, जन्दाहा, महुआ, पातेपुर, पहनार, देशरी, लालगंज और वैशाली प्रखंडों में ही 2000 लोग मरे हैं। स्वास्थ्य मंत्री जी इस समय नहीं

हैं, मैं चाहूंगा कि प्रधान मंत्री जी, गृह मंत्री, प्रति रक्षा मंत्री जी जो यहां इस समय उपस्थित हैं उनको इस समस्या के बारे में कोई स्पष्ट कदम उठाना चाहिये। और अगर कदम नहीं उठायेगे तो धीरे धीरे पूरे प्रखंड, पूरे जिले और पूरे प्रदेश में यह बीमारी फैलेगी। और जब पूरे देश में महामारी फैलेगी, तो फिर हम निराशा की स्थिति में आ जायेंगे। इसलिये वह क्या बीमारी है क्या उसका सही इलाज हो सकता है, उसका वैज्ञानिक रूप से सर्वेक्षण किया जाये। उसके लिये सरकार कदम उठाये, यही आपके माध्यम से मैं निवेदन करना चाहता हूँ।

(iv) DEMONSTRATION IN FRONT OF THE PRIME MINISTER'S HOUSE ON SOARING PRICES

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): Mr. Speaker, Sir, I rise to draw the attention of this House—I hope the House will agree with me—about the peaceful demonstration held which is an expression of a right in a democratic society by the people.

Many hon. friends sitting on the other side will also agree with me that this sort of thing will continue; this was done by Shrimati Mrinal Gore in Bombay.

श्रीमती मृणाल गोरे (बम्बई उत्तर) :

तब आप कहां थे।

SHRI VAYALAR RAVI: We know that price-rise is the concern not only of the Members on this side but it is the concern of the Members sitting on the other side also. We are equally concerned about it and the poor people in the country are unable to make both ends meet, in this alarming rise of price situation. Government could not come forward with concrete proposals to control this abnormal price rise so far. There is no programme or action to be taken by Government and nothing is before the House, the country. I want to know the steps the Government propose to take to control the price except appealing